2021-22

शास्त्री परीक्षा

खण्ड- प्रथम, अधिसत्र – द्वितीय

विषय- हिन्दी, पत्र- तृतीय

समयः ३½ घण्टे **सम्पूर्णाङ्क – ७०**

निर्देशः एक पंक्ति में १० शब्द तथा एक पृष्ठ में कम से कम ८ पंक्तियों में उत्तर लिखना अपेक्षित है।

खण्ड – अ

१. सभी प्रश्न अनिवार्य हैं - **१५x१=१५**

क. 'ऊसर' किसकी रचना है?

ख. भाषा की परिभाषा लिखिए।

ग. उदयशंकर भट्ट द्वारा रचित किसी एक एकांकी का नाम लिखिए।

घ. सीमा-रेखा एकांकी निम्नलिखित में से किसकी रचना है?

1. उदयशंकर भट्ट
2. विष्णु प्रभाकर
3. लक्ष्मी नारायण लाल
4. विष्णुप्रभाकर

ङ. एकांकी किसे कहतें हैं?

च. 'नये मेहमान' किसकी रचना है?

छ. 'वसन्तु ऋतु का नाटक' निम्नलिखित में से कौन सी विधा है-

1. संस्मरण

2. एकांकी

3. नाटक

4. आत्म कथा

ज. विश्वनाथ तथा रेवती किस एकांकी के पात्र हैं?

झ. 'लक्ष्मी का स्वागत' एकांकी के प्रमुख-पात्र का नाम लिखिए।

ञ. 'रीढ़ की हड्डी' एकांकी की किसी एक मुख्य विशेषता का उल्लेख कीजिए।

ट. 'लक्ष्मी का स्वागत' एकांकी के एकांकीकार का नाम लिखिए।

ठ. लिपि किसे कहते हैं?

ड. 'पूर्वी हिन्दी की किन्ही' दो बोलियों के नाम लिखिए।

ढ. अवधी भाषा के किन्हीं दो रचनाकारों के नाम लिखिए।

ण. पश्चिमी हिन्दी का विकास किस अपभ्रंश से हुआ है?

खण्ड – ब

२. सभी प्रश्न अनिवार्य हैं। प्रत्येक उत्तर ढाई पृष्ठ से कम न हों - ५x३=१५

क. 'ऊसर' एकांकी की विशेषताओं का संक्षेप में उल्लेख कीजिए।

ख. 'लक्ष्मी का स्वागत' एकांकी का कथानक अपने शब्दों में लिखिए।

ग. 'नये मेहमान' एकांकी का सारांश लिखिए।

घ. एकांकी के तत्वों पर प्रकाश डालिए।

ङ. देवनागरी लिपि के नामकरण पर प्रकाश डालिए।

खण्ड – स

३. सभी प्रश्न अनिवार्य हैं। **५x६=३०**

क. देवनागरी लिपि की प्रमुख विशेषताओं का उल्लेख कीजिए।

ख. पूर्वी हिन्दी और पश्चिमी हिन्दी में क्या अन्तर है?

ग. एकांकी के उद्भव एवं विकास पर टिप्पणी लिखिए।

घ. 'उदयशंकर भट्ट' का साहित्यिक परिचय दीजिए।

अथवा

'रीढ़ की हड्डी' एकांकी की समीक्षा कीजिए।

ङ. भाषा और बोली में क्या अन्तर है? बताइए।

अथवा

पश्चिमी हिन्दी की बोलियों का उल्लेख कीजिए।

खण्ड – द

४. **किन्हीं दो गद्यांशों की संदर्भ सहित व्याख्या कीजिए -** **२x५=१०**

क. अब मुझे कह लेने दीजिए बाबूजी। ये जो महाशय मेरे खरीददार बनकर आये हैं, इनसे जरा पूछिए कि क्या लड़कियों के दिल नहीं होता है ? क्या उनके चोट नहीं लगती ? क्या वे बेबस भेंड़-बकरियाँ हैं, जिन्हें कसाई अच्छी तरह देख-भालकर खरीदते हैं ?

ख. आप नहीं जानते डॉक्टरसाहब ! ये सब लोग हृदयहीन हैं, आपको मालूम नहीं। इधर मैं अपनी पत्नी का दाह-कर्म करके आया था, उधर ये दूसरी जगह शादी के लिए सगुन लेने की सोच रहे थे।

ग. जब तक सरकार और उसके अधिकारी ठीक आचरण नहीं करेंगे, तब तक जनता प्रदर्शन करती ही रहेगी। कानून हाथ में लेती रहेगी। भाईसाहब, इस नौकरशाही ने, शासन की इस भूख ने आपको जनता से दूर कर दिया है।

****